मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 43 ■ अंक : 14 ■ मंगलवार, 18 मार्च 2025 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.
Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

कंगना रनोट के लिए ऑस्कर मूर्खों का अवॉर्ड

वामन म्हात्रे के अंगरक्षक ने सहकर्मी की बंदूक चुराई

■ पुलिस ने किया गिरफ्तार
■ बदलापुर पश्चिम में मामला दर्ज

बदलापुर. बदलापुर के शिंदे शिवसेना शहर प्रमुख वामन म्हात्रे के अंगरक्षक ने अपने साथी अंगरक्षक को मुसीबत में डालने के लिए उसकी बंदूक चुरा ली। इस मामले में पुलिस ने अंगरक्षक जजलाल पांडेय को गिरफ्तार कर उसके पास से पिस्तौल और कारतूस जब्त कर लिए हैं। सुरक्षा कारणों से निजी अंगरक्षक और सशस्त्र गार्ड रखने की प्रथा पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक हलकों में लोकप्रिय हो गई है।

बदलापुर शहर में शिंदे की शिवसेना के नगर प्रमुख और कुलगांव बदलापुर नगर पालिका के पूर्व महापौर वामन म्हात्रे ने भी निजी अंगरक्षक रखे हैं। यह बात सामने आई है कि एक अंगरक्षक ने दूसरे अंगरक्षक का हथियार चुरा लिया था। वामन म्हात्रे के पास उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के मूल निवासी जजलाल बुलंद पांडे और कृष्ण प्रसाद तिवारी निजी अंगरक्षक के रूप में काम करते हैं। दोनों के पास लाइसेंसी हथियार हैं।

इनमें से कृष्ण प्रसाद तिवारी 14 मार्च को होली के दिन अपना काम खत्म करने के बाद एरंजाड स्थित म्हात्रे के फार्महाउस पर आराम कर रहे थे। इस समय उसने अपनी बंदूक को आठ कारतूसों के साथ पास ही तकिये के नीचे रखा हुआ था। कुछ देर बाद कृष्ण उठे और स्नान करने चले गए। हालांकि, वापस लौटने पर उन्हें अपनी बंदूक और मोबाइल फोन नहीं मिला। जब उन्हें पता चला कि उनका बंदूक और मोबाइल फोन गायब है तो वह बदलापुर पश्चिम पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज कर लिया।

इस मामले की जांच के दौरान पुलिस को म्हात्रे के दूसरे अंगरक्षक जजलाल पांडे पर संदेह हुआ और उसे हिरासत में ले लिया गया। इस बार जब उसे पुलिस की खाकी दिखाई गई तो उसने कबूल किया कि उसने कृष्णा को मुसीबत में डालने के लिए उसका हथियार और मोबाइल फोन चुराया था। पुलिस ने इस मामले में जजलाल पांडे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कृष्ण प्रसाद तिवारी के पास से उसका तमंचा, 4 कारतूस और एक मोबाइल फोन तथा जजलाल पांडेय के पास से उसका तमंचा, 18 जिंदा कारतूस, 7 खोखा और एक मोबाइल फोन जब्त किया है।

प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों का कहर!

4,895
फैक्ट्रियां जिले में बेरोकटोक फैला रही हैं प्रदूषण

■ कल्याण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में सबसे अधिक फैक्ट्रियां

ठाणे. राज्य की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट हाल ही में जारी की गई है, जिसमें ठाणे जिले में प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों के बारे में चिंताजनक जानकारी सामने आई है। इस रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, यह बात सामने आई है कि जिले में 4,895 फैक्ट्रियों का प्रदूषण सूचकांक 60 से अधिक है, यानी वे प्रदूषण फैला रही हैं। इनमें से 2,557 कल्याण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में सबसे अधिक प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियां हैं। इसके अलावा, 41 से 59 प्रदूषण सूचकांक वाली फैक्ट्रियों की संख्या लगभग 5,435 है।

ठाणे जिले के कल्याण-डोंबिवली, अंबरनाथ, नवी मुंबई और ठाणे शहरों में बड़े औद्योगिक क्षेत्र हैं। यह औद्योगिक क्षेत्र पिछले कई वर्षों से मौजूद है, जिससे जिले के सभी शहरों में शहरी आबादी बढ़ी है। कई स्थानों पर यह देखा गया है कि औद्योगिक क्षेत्रों की सीमाओं के पास कई चॉल और आवासीय परिसर बनाए गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में हुई विभिन्न घटनाओं से यह पता चला है कि औद्योगिक दुर्घटनाएं सीधे तौर पर शहरी बस्तियों को प्रभावित कर रही हैं। इसके कारण, नागरिक अक्सर मांग करते हैं कि जिले में खतरनाक और प्रदूषणकारी कारखानों को अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। इस बीच, राज्य की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में जिले में प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों के बारे में चिंताजनक जानकारी सामने आई है। जिले के अंबरनाथ, कल्याण, डोंबिवली, उल्हासनगर और ठाणे शहरों में वायु की गुणवत्ता अक्सर खराब, बहुत खराब और खतरनाक स्तर पर दर्ज की गई है।

अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाली कंपनियां

लाल श्रेणी की फैक्ट्रियों का प्रदूषण सूचकांक निश्चित रूप से 60 से अधिक होता है. 60 से अधिक प्रदूषण सूचकांक वाले कारखानों में रासायनिक कारखाने, दवा कारखाने, तथा वस्त्र प्रसंस्करण एवं रंगाई करने वाले कारखाने शामिल हैं। इसमें रासायनिक कारखानों से निकलने वाली गैसों से होने वाला वायु प्रदूषण शामिल है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाले कारखानों से निकलने वाला अपशिष्ट जल बड़ी मात्रा में जल प्रदूषण का कारण बनता है।

ठाणे प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड - 1426 कारखाने
कल्याण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड - 2557 कारखाने
नवी मुंबई प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड - 912 कारखाने

प्रदूषण नियंत्रण मंडल कारखानों से निकलने वाली हवा और छोड़े गए अपशिष्ट जल के नमूने लेता है और प्रत्येक कारखाने का प्रदूषण सूचकांक निर्धारित करता है। इसके अनुसार, यह बात सामने आई है कि जिले में 4,895 फैक्ट्रियों का प्रदूषण सूचकांक 60 से अधिक है, यानी वे प्रदूषण फैला रही हैं। जिले के स्थानीय प्रदूषण नियंत्रण विभाग कार्यालय ने बताया है कि प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्री के खिलाफ दंडात्मक एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है।

पिछले वर्ष कल्याण-डोंबिवली औद्योगिक क्षेत्र में रासायनिक कारखानों में विभिन्न दुर्घटनाएं प्रकाश में आईं। इसमें कुछ मजदूरों की मौत भी हो गई। इसके कारण नागरिक मांग कर रहे हैं कि यहां की फैक्ट्रियों को अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। इस बीच, आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट से पता चला है कि कल्याण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अब प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों की संख्या सबसे अधिक है।

उल्हासनगर स्काईवॉक पर ट्रक ड्राइवर पर हमला

■ नशेड़ियों के बढ़ते खतरे से नागरिकों में भय का माहौल
■ यात्रियों की सुरक्षा खतरे में

उल्हासनगर. उल्हासनगर रेलवे स्टेशन क्षेत्र नशेड़ियों से भरा पड़ा है, जिससे नागरिकों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जिसमें दो शराबी युवकों ने आधी रात को स्काईवॉक पर सो रहे एक ट्रक चालक पर जानलेवा हमला किया और उससे लूटपाट की। इस घटना से क्षेत्रवासियों में भय का माहौल पैदा हो गया है।

नासिक निवासी ट्रक चालक संतोष राउत (42) अपने व्यवसाय के लिए उल्हासनगर आया था। ट्रक छोड़ने के बाद उसने एक दोस्त के साथ पार्टी की। इसके बाद देर रात वे उल्हासनगर रेलवे स्टेशन के पास स्काईवॉक पर सोने चले गए। हालांकि, रात करीब दो बजे नशे में धुत दो युवकों ने उन पर हमला कर दिया। उन्होंने उसका मोबाइल फोन, बैग और पर्स छीन लिया। जब संतोष ने विरोध किया तो हमलावरों ने उसके चेहरे और सिर पर ब्लेड से वार कर उसे गंभीर रूप

से घायल कर दिया। खून से लथपथ संतोष को स्थानीय नागरिकों ने तुरंत सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात नशाखोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आश्वासन दिया कि आरोपियों को जल्द ही ढूंढ लिया जाएगा। हालाँकि, प्रशासन को ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है; अन्यथा यात्रियों और स्थानीय लोगों की जान खतरे में पड़ने का डर है।

■ अपराध बढ़ने का खतरा

उल्हासनगर रेलवे स्टेशन पिछले कुछ समय से नशेड़ियों का अड्डा बन गया है। कई नशे में धुत्त युवक स्काईवॉक और स्टेशन परिसर में समूहों में बैठकर शराब पी रहे हैं। नागरिकों से जबरन धन वसूली, बहुमूल्य वस्तुओं को जबरन छीनना तथा विरोध करने वालों पर हमले दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों ने इस संबंध में कई बार रेलवे प्रशासन और पुलिस से शिकायत की है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

■ पुलिस की गश्त बढ़ाने की मांग

इस घटना से स्थानीय निवासियों और यात्रियों में भय का माहौल पैदा हो गया है। उल्हासनगर रेलवे स्टेशन और स्काईवॉक क्षेत्र में असुरक्षा बढ़ती जा रही है और नागरिक मांग कर रहे हैं कि 24 घंटे पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाया जाए और स्टेशन क्षेत्र को सीसीटीवी निगरानी में रखा जाए।

अंबरनाथ केबी सड़क पर फिर हुई दुर्घटना

तेज रफ्तार टेंपो ने दो एंबुलेंस एक साइकिल सवार को मारी टक्कर, 2 घायल

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के केबी मुख्य महामार्ग पर फिर एक दुर्घटना हुई है. तेज रफ्तार टेंपो ने सड़क के किनारे खड़ी दो एम्बुलेंस को टक्कर मार दिया और एक साइकिल सवार को टक्कर मार कर उसे घायल कर दिया है. दुर्घटना का पूरा दृश्य पास के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है. यह दुर्घटना दो दिनों पूर्व सुबह 5.15 बजे डॉक्टर जुबेश शाह के अस्पताल अंबर केयर के समक्ष हुई है. टेंपो चालक को भी मामूली चोटें आई हैं.

मिली जानकारी के अनुसार सुबह के समय साइकिलिंग करने के लिए निकले नौदल के सेवानिवृत शिव प्रसाद गौड को तेज रफ्तार से आ रही टेंपो ने जोरदार टक्कर मारी और पास ही अस्पताल में खड़ी 2 एंबुलेंस को भी टक्कर मार कर क्षतिग्रस्त कर दिया. एक एंबुलेंस का भारी नुकसान हुआ है. घायल शिव प्रसाद गौड का उपचार कहां चल रहा है यह मालूम नहीं हो सका है. केबी मुख्य महामार्ग पर हफ्ते में एक बार सड़क दुर्घटना हो रही है. यह दुर्घटना लादी नाका के पास और फॉरेस्ट नाका से पहले हुई है. कुछ दिनों से यह भी देखने को मिल रहा है कि केबी रोड पर पुलिस स्टेशन के आगे से विमको नाका फॉरेस्ट नाका तक निजी दर्जनों बसें हैवी व्हीकल बड़ी संख्या में सड़क किनारे खड़ी रहती हैं.

उल्हासनगर में 3 दुकानदारों के खिलाफ अपराध दर्ज

■ नकली मसाले के पैकेट जब्त
■ कॉपीराइट उल्लंघन का मामला

उल्हासनगर. कैंप क्रमांक 2, खेमानी क्षेत्र की तीन दुकानों में एक प्रतिष्ठित कंपनी का नकली मटन और चिकन मसाला बेचा जा रहा था। पुलिस ने छापा मारकर तीनों दुकानदारों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और पुलिस यह जांच कर रही है कि ये नकली मसाले कहां से आए थे और इसका सप्लायर कौन है?

कंपनी के प्रतिनिधि इयान गोनेन्स ने उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई कि उल्हासनगर कैंप क्रमांक 2 के खेमानी इलाके में एक प्रतिष्ठित कंपनी का नकली मटन और चिकन मसाला पैकेट बेचा जा रहा है।

शनिवार दोपहर उल्हासनगर पुलिस और कंपनी प्रतिनिधियों ने संयुक्त कार्रवाई कर खुलासा किया कि तीन दुकानों में नकली मसाले बेचे जा रहे थे। दुकानदार सुनील आहूजा, सोहेल शेख और रियाज शेख से नकली मसाले के जार जब्त किए गए।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विष्णु तम्हाणे ने बताया कि तीनों के खिलाफ कॉपीराइट उल्लंघन और नकली मसाले बेचने का मामला दर्ज किया गया है। तम्हाणे ने यह भी बताया कि पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि नकली मसाले के पैकेट और पुड़िया कौन लेकर आया।

'राष्ट्रीय लोक अदालत' 22 मार्च को

कल्याण. राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं महाराष्ट्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण मुंबई एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ठाणे के निर्देशानुसार 'राष्ट्रीय लोक अदालत' शनिवार 22 मार्च को अति. जिला एवं सत्र न्यायालय कल्याण में आयोजित किया गया है, इस लोक अदालत में कुल 21 हजार 142 प्री-लिटिगेशन मामले (मुकदमे-पूर्व मामले) तैयार किये गये हैं और इन नोटिसों को संबंधित पक्षों को वितरित करने का काम जारी है.

लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में नागरिकों के शामिल होने की संभावना को ध्यान में रखते हुए न्यायालय परिसर में मंडप बनाये जा रहे हैं और वार्डवार कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था के लिए टेबल, कुर्सियां, पंखे, कंप्यूटर सिस्टम और पानी की व्यवस्था की जा रही है.

अंबरनाथ में शिव जयंती उत्सव उत्साह से मनाया गया

■ शिव जयंती जुलूस का मुसलमानों ने किया स्वागत

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ में हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हर्षउल्लास ढोल ताशा की धुन पर शहर में जुलूस निकालकर मनाई गई अंबरनाथ शहर सार्वजनिक शिव जयंती उत्सव समिति की ओर से शिवसेना शहर प्रमुख अरविंद वालेकर के निवास स्थान से एक शानदार जुलूस निकाला गया. बुवा पाड़ा, केबी रोड से मटका चौक होते हुए यह जुलूस शहर पूर्व में छत्रपति शिवाजी महाराज चौक तक निकल गया. शहर पूर्व में नवरे नगर मार्ग से

रॉयल पार्क से होते हुए दूसरा जुलूस निकाला गया. दोनों जुलूस रात में छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर एकत्रित होकर छत्रपति शिवाजी महाराज की जय के नारे लगाते हुए हाथ में भगवा झंडा लेकर लहराया गया. इस जुलूस में ढोल ताशा, पारंपरिक वेशभूषा पहनकर शिव प्रेमियों ने शोभा को बढ़ाया. शहर पश्चिम में अरविंद वाले करके नेतृत्व में निकाले गए जुलूस के स्वागत के लिए शामियाने लगाकर पानी शरबत आदि बांटे गए .अंबरनाथ मुस्लिम समाज की ओर से विमको नाका पर रजा जामा मस्जिद की ओर से आसिफ खान, अमजद खान, जमील भाई, महमूद भाई ने जुलूस पर फूल बरसाए और अरविंद वालेकर का शॉल पुष्पगुच्छ देकर जोरदार स्वागत करके शिवाजी महाराज जयंती की शुभेच्छा दी. अंबरनाथ के पत्रकारों ने पत्रकार कक्ष में महाराज के फोटो को हार पहनाकर जयंती का जश्न मनाया. कुणाल भोईल, स्वप्निल बागुल ने कानसई में पूजा की और शिव जयंती उत्सव की प्रभात फेरी निकाली. शहर में पुलिस के कड़े बंदोबस्त के बीच अमन शांति से शिव जयंती उत्सव मनाया गया।

पूर्व पार्षद से 50 लाख की रंगदारी मांगने के आरोप में 4 गिरफ्तार

बदलापुर. एक पूर्व पार्षद से 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने और ब्लैकमेल करने के प्रयास के आरोप में पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पीड़ित कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद के पूर्व पार्षद हैं। उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति ने एक महिला के साथ आपत्तिजनक तस्वीर भेजी थी। आरोपी ने तस्वीर ऑनलाइन साझा न करने के बदले 50 लाख रुपये की मांग की थी। विज्ञप्ति के अनुसार, पिछले महीने पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद जांच शुरू हुई। पुलिस ने शनिवार को बदलापुर इलाके से 32 वर्षीय एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

राज माता स्व. कविता सीरवानी की अंतिम यात्रा में सैकड़ों हुए शामिल

■ पूर्व नगरसेवक टोनी सीरवानी को मातृशोक
■ ओटी सेक्शन की दुकानें रही बंद

उल्हासनगर। उल्हासनगर-3 ओटी सेक्शन स्थित गुरु गुलराज साहिब कुटिया की गद्दीनशीन राज माता कविता सीरवानी का 16 मार्च को दुःखद निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 17 मार्च दोपहर 3 बजे उनके निवास स्थान कुटिया से उल्हासनगर-3 स्थित शांतिनगर श्मशान भूमि तक निकली जहां संत, महात्माओं व शहर के जाने माने लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। राजा माता के अनुयायियों ने उनके निधन पर उल्हासनगर-3 ओटी सेक्शन की सभी दुकानें बंद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्वर्गीय कविता सीरवानी नगरसेविका रह चुकी हैं और पूर्व स्थायी समिति सभापति टोनी सीरवानी उनके सुपुत्र हैं। राज माता कविता सीरवानी की पगड़ी रस्म गुरुवार 20 मार्च 2025 को शाम 5 से 5.30 बजे तक रखी गई है। महिलाओं के लिए गुरु गुलराज साहिब कुटिया में व्यवस्था है जबकि पुरुषों के लिए स्वामी धर्मदास दरबार में पगड़ी रस्म होगी।

तड़ीपार गुंडे का चाकू दिखाकर इलाके में आतंक

उल्हासनगर. होली के दिन हाथ में चाकू लेकर आतंक फैलाते हुए घूम रहे एक तड़ीपार गुंडे को उल्हासनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सुमित रामनाथ यादव उल्हासनगर के कैंप दो, आजाद नगर में भारत मार्बल के पास रहता है। पुलिस उपायुक्त ने जुलाई में निष्कासन आदेश जारी कर उसे ठाणे, मुंबई शहर, मुंबई उपनगरों और रायगढ़ जिले से दो साल के लिए तड़ीपार कर दिया था। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विष्णु ताम्हणे को सूचना मिली थी कि होली के दिन एमआईडीसी स्थित पानी की टंकी के पास स्टील का चाकू लेकर इस प्रतिबंध आदेश का उल्लंघन करते हुए आतंक मचा रहा है. इस सूचना के आधार पर पुलिस उपनिरीक्षक नवले, पुलिस अधिकारी सुजीत भोजने, भगवान पाटिल और सोनवणे की टीम ने जाल बिछाया और पप्पू यादव को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ निर्वासन आदेश और धारदार हथियार रखने का मामला दर्ज किया गया है।

डॉ. अंबेडकर स्मारक का निर्माण अंतिम चरण में

कल्याण. कल्याण पूर्व में 'डी' वार्ड क्षेत्र कार्यालय के पास निर्माणाधीन भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर स्मारक का काम अंततः अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने स्मारक क्षेत्र के विस्तार के स्थानीय प्रतिनिधियों के प्रस्ताव को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दी और वादा किया कि यह कार्य भी शीघ्र ही शुरू हो जाएगा।

पिछले वर्ष, अम्बेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की पूर्ण प्रतिमा का अनावरण तत्कालीन

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया था। उस समय सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने कहा था कि इस स्मारक को उच्च तकनीक और डिजिटल प्रणालियों से सुसज्जित किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने कहा, ''पूरे देश में अद्वितीय और आधुनिक इस स्मारक का निर्माण कार्य चल रहा है, तथा कुछ तकनीकी पहलुओं को पूरा किया जाना बाकी है।''

इस कार्य को 14 अप्रैल से पहले पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। काम पूरा होते ही स्मारक को एक भव्य समर्पण समारोह के माध्यम से जनता के लिए खोल दिया जाएगा। शिवसेना विधानसभा क्षेत्र प्रमुख प्रशांत काले ने सांसद के ध्यान में लाया कि इस स्मारक के सार्वजनिक उपयोग के लिए जगह की कमी है।

अंबरनाथ तहसील कार्यालय पर बजरंग दल का मोर्चा

■ औरंगजेब की कब्र हटाओ नहीं तो बाबरी की तरह कारसेवा करेंगे
■ विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने दिया अल्टीमेटम

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार कार्यालय पर मोर्चा निकालकर सरकार को अल्टीमेटम दिया है कि जल्द ही संभाजी नगर से औरंगजेब की कब्र को हटा दें, नहीं तो वह बाबरी मस्जिद की ही तरह कारसेवा करके कब्र को तहस-नहस कर देंगे. पदाधिकारी ने तहसीलदार अमित पुरी को निवेदन दिया है. मोर्चे में अंबरनाथ, उल्हासनगर और हाजी मलंग विभाग के कार्यकर्ता उपस्थित रहे. पदाधिकारी ने बताया कि संभाजी नगर में औरंगजेब की कब्र है. इस कब्र को अगर महाराष्ट्र सरकार ने जल्द नहीं हटाया तो हम विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के लोग चलो संभाजी नगर का नारा देखकर बाबरी मस्जिद की तरह यहां कारसेवा कर के औरंगजेब की कब्र को तहस-नहस कर देंगे. बजरंग दल के दूसरे पदाधिकारी ने कहा कि हम लोग आंदोलन करेंगे, रास्ते पर उतर जाएंगे. हमने महाराष्ट्र सरकार को समय दिया है. अगर समय से पहले औरंगजेब की कबर को नहीं हटाया गया तो हम कबर का नाश कर देंगे. बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने हाथ में खबर तोड़ो का बैनर उठाकर नारेबाजी करते हुए सोमवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार को निवेदन दिया है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

इसरो ने भारत को दिलाई खास पहचान

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने अंतरिक्ष में जिस स्तर पर उपलब्धियां हासिल की हैं, उससे दुनिया भर में भारत को एक खास पहचान मिली है। अब अपने 'स्पेडेक्स' अभियान के तहत इसरो को उपग्रहों को जोड़ने और फिर अलग-अलग करने में जैसी कामयाबी मिली है, उसने अंतरिक्ष विज्ञान के भविष्य में भारत के लिए नई उम्मीद जगा दी है। गुरुवार को इसरो ने बताया कि उसने 'स्पेडेक्स' उपग्रहों को 'डी-डाक' यानी अलग करने का काम पूरा कर लिया है।

गौरतलब है कि स्पेडेक्स अभियान बीते वर्ष 30 दिसंबर को शुरू किया गया था। उस समय इसरो ने अंतरिक्ष में कई प्रयासों के बाद 16 जनवरी को 'डाकिंग' के तहत दो उपग्रहों एसडीएक्स-01 और एसडीएक्स- 02 को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया था। दरअसल, 'डाकिंग' अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को जोड़ने की प्रक्रिया को कहते हैं और इसमें जोखिम और संवेदनशीलता के स्तर को देखते हुए पहले ही प्रयास में इसरो को मिली कामयाबी बेहद महत्त्वपूर्ण मानी गई है। इसे एक अविश्वसनीय अभियान को कामयाबी के साथ पूरा करने के तौर पर देखा गया है।

अब उसी कड़ी में इसरो ने दोनों उपग्रहों को अलग करने में जिस स्तर का कौशल प्रदर्शित किया है, उससे साफ है कि अब अंतरिक्षीय प्रयोगों में भारत को अहम दर्जा मिल रहा है। गगनयान मिशन के लिए भी यह तकनीक जरूरी है, जिसके तहत मनुष्य को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। उपग्रहों को अलग करने में इसरो को मिली ताजा कामयाबी के बाद चंद्रमा की खोज, मानव अंतरिक्ष उड़ान और अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने जैसे भविष्य के अभियानों का रास्ता साफ हो गया है।

दो छोटे अंतरिक्ष यानों का उपयोग कर उन्हें जोड़ना, 'डाकिंग' प्रौद्योगिकी का विकास, लक्षित अंतरिक्ष यान के जीवन काल को बढ़ाने की क्षमता प्रदर्शित करना, यानों के बीच विद्युत शक्ति हस्तांतरण का परीक्षण करना आदि इसरो के इस अभियान के मुख्य लक्ष्यों में शामिल है। 'स्पेडेक्स' अभियान को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए इसरो की क्षमता में तेज विकास के सूचक के तौर पर देखा जा सकता है।

संदेह के बीज बोने की कोशिश, चुनाव आयोग को बदनाम करने का प्रयास

अमेरिका की सत्ता में डोनाल्ड ट्रंप की अप्रत्याशित वापसी के पीछे उनके नारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' यानी मागा की अहम भूमिका रही थी। ट्रंप अमेरिका को फिर से महान बनाने का वादा कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने आधुनिक विश्व के इस सबसे पुराने लोकतंत्र की चुनावी विसंगतियों को सुधारने के कोई संकेत नहीं दिए हैं। यही चुनावी विसंगतियां अक्सर अमेरिका में चुनाव परिणाम को लेकर विवादों को जन्म देती हैं।

यहां तक कि ट्रंप भी इस चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाते रहे हैं, लेकिन उनके सत्ता संभालने के बाद भी इसमें सुधार के कोई आसार नहीं दिख रहे। अमेरिकी चुनाव प्रणाली की सबसे बड़ी विसंगति तो यही है कि उसका कोई मानकीकरण नहीं है। इस मोर्चे पर उसे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की चुनाव प्रणाली की ओर देखना चाहिए। अमेरिका में कोई संघीय चुनाव प्राधिकारी संस्था भी नहीं है, जो पूरे देश में चुनाव प्रक्रिया का एक समान नियमन कर सके।

इसके उलट भारत में राष्ट्रीय चुनाव कानून के साथ ही भारत निर्वाचन आयोग जैसी केंद्रीय चुनाव प्राधिकारी संस्था भी है जो संवैधानिक अधिकारों से सशक्त है। इसके अलावा, भारत में देश के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में एक ही विधि से मतदान कराने के लिए इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम जैसी व्यवस्था भी है। यह मशीन कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए भी उपयोगी होने के साथ ही कुछ ही घंटों में परिणाम का आकलन करने में सक्षम है।

अमेरिका में चुनाव प्रक्रिया

अस्त-व्यस्त एवं अराजक है। विभिन्न राज्यों में मतदान से लेकर मतगणना को लेकर अलग-अलग व्यवस्थाएं हैं। हर काउंटी के भी अपने चुनाव कानून हैं, जो अलग-अलग तरीके से मतदान प्रक्रिया को संचालित करते हैं। कई जगहों पर मतपत्र की व्यवस्था है, जहां मतदाताओं को अपनी पसंद दर्शाने के लिए मार्कर दिया जाता है। वे चुनाव चिह्नों का उपयोग नहीं करते।

कुछ काउंटी में मतपत्रों के साथ एक मशीन के माध्यम से अपनी पसंद को दर्शाने का प्रविधान है। वर्ष 2000 तक मतदाताओं से उनकी पसंद के प्रत्याशी के नाम पर पंच करने के लिए कहा जाता था। इससे भी अजीब तो यह लगेगा कि कहीं लीवर पंच करके भी मतदान की व्यवस्था रही है। कुछ समय पहले तक पंच करने को लेकर भी राज्यों में अलग-अलग व्यवस्था थी।

टेक्सास में बैलेट को इस तरह पंच करना अनिवार्य रहा कि उसमें पूरा छेद हो जाए। अगर इसमें कुछ कमी रह जाती तो मत की गिनती नहीं होती। इसके उलट फ्लोरिडा में बैलेट को पंच करने की व्यवस्था अपेक्षाकृत उदार रही, जहां आंशिक चिह्न से भी काम चल जाता। इसी को लेकर 2000 के चुनाव में जार्ज बुश जूनियर और अल गोर के बीच चुनावी लड़ाई अदालत की देहरी तक पहुंच गई थी और अंतिम निर्णय आने में कई दिन लग गए थे। इस वाकये के करीब 25 साल गुजर जाने के बाद भी अमेरिका में चुनाव सुधारों की दिशा में कोई खास प्रगति नहीं हुई। जो संस्थाएं अस्तित्व में भी आईं तो उनकी भूमिका सलाहकार के रूप में ही सीमित होकर रह गई है।

एक आकलन के अनुसार करीब 70 प्रतिशत मतदाता मतपत्र, 23 प्रतिशत पसंद को दर्शाने वाली मशीन और शेष सात प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से मतदान करते हैं। मतपत्रों से चुनाव कराने को लेकर भी अलग-अलग राज्यों में अपनी व्यवस्था है। नियत समय से पूर्व मतदान के भी तरह-तरह के स्वरूप मौजूद हैं। यहां तक कि एक राज्य के अलग-अलग इलाकों में भी एकसमान व्यवस्था नहीं।

जैसे टेक्सास में मतदाता ईवीएम से वोट देंगे या मतपत्र से, यह उनके निवास स्थान से निर्धारित होगा कि वे कहां रहते हैं। अमेरिका के पूर्वी और पश्चिमी तट के समय में अंतराल भी चुनावी विसंगतियों को बढ़ाता है। जैसे न्यूयार्क में शाम छह बजे मतदान संपन्न हो जाता है तो टीवी चैनल एक्जिट पोल दिखाने लगते हैं। उस समय तक कैलिफोर्निया में मतदान के पांच घंटे शेष रह जाते हैं। यह मतदाताओं के मानस को प्रभावित करने का काम करता है।

खुशी इसमें है कि हम यह सोचें कि प्रभु ने हमें क्या-क्या दिया है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

जनता को भ्रम में डाल रहे हैं स्टालिन

केंद्र और राज्य सरकारों के बीच टकराव कोई नई बात नहीं है। मगर इन दिनों तमिलनाडु सरकार और केंद्र के बीच रार से विचित्र स्थिति पैदा हो गई है। तमिलनाडु ने पहले केंद्र सरकार के निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन प्रस्ताव का विरोध किया, फिर त्रिभाषा सूत्र का मुद्दा उठा कर विवाद खड़ा कर दिया कि केंद्र सरकार तमिलनाडु सहित दक्षिणी राज्यों पर हिंदी थोपना चाहती है। इसी विरोध के तहत तमिलनाडु सरकार ने अपने बजट के दौरान रुपए के राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न की जगह तमिल अक्षर का प्रयोग किया।

यह पहली बार है जब किसी राज्य ने किसी राष्ट्रीय प्रतीक को बदल कर अपना अलग प्रतीक चिह्न लागू करने का प्रयास किया है। स्वाभाविक ही इसे लेकर बहस छिड़ गई कि क्या किसी राज्य सरकार को बदलाव करने या अपना अलग प्रतीक चिह्न लागू करने का अधिकार है। पर सवाल अधिकार का नहीं है। राष्ट्रीय पहचान से जुड़े मसलों में कुछ चीजें अधिकार से नहीं, सामूहिक भावना से तय होती हैं। तमिलनाडु सरकार को बेशक कानूनी रूप से रुपए का अपना प्रतीक चिह्न तय करने का अधिकार हो, पर इससे आखिर उसे लाभ क्या होगा, और फिर मुद्रा के चलन संबंधी राष्ट्रीय विधान में उसकी क्या अहमियत होगी।

दरअसल, तमिलनाडु में असल विवाद परिसीमन को लेकर है। उसी से जोड़ कर वहां के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन दूसरे मुद्दे भी उठा रहे हैं। परिसीमन के मसले पर उन्होंने दक्षिण के सभी राजनीतिक दलों का सम्मेलन भी बुलाया है। इसे लेकर सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने का भी प्रयास कर रहे

हैं। मगर लगता नहीं कि इस तरह वे केंद्र को अपने फैसले पर पुनर्विचार के लिए बाध्य कर सकेंगे। इसलिए तमिल लोगों में भावनात्मक उभार लाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षानीति में लागू त्रिभाषा सूत्र को मुद्दा बना गया। जबकि त्रिभाषा सूत्र कोई नया विचार नहीं है।

लंबे समय से इस पर जोर दिया जाता रहा है कि विद्यार्थियों को हिंदी और अंग्रेजी के साथ एक स्थानीय भाषा सिखाई जानी चाहिए। यह सूत्र कई राज्यों में पहले से लागू है। मगर अपनी संस्कृति की रक्षा के नाम पर तमिलनाडु में इसका विरोध होता रहा है। यों राजनीतिक कारणों से, त्रिभाषा सूत्र प्रस्ताव के बहुत पहले से दक्षिणी राज्यों में हिंदी का विरोध होता रहा है। जबकि हकीकत यह है कि जिस तरह हिंदी ने व्यावसायिक गतिविधियों के तहत देश के सभी हिस्सों में अपनी पहुंच लगातार बढ़ाई है, उसमें दक्षिण के राज्य अछूते नहीं हैं। ऐसे में स्टालिन का त्रिभाषा सूत्र विरोध व्यवहार में कितना कारगर होगा, कुछ कहा नहीं जा सकता।

जहां तक रुपए का प्रतीक चिह्न बदलने की बात है, इससे भी तमिलनाडु राज्य को कोई लाभ नहीं होने वाला है। आखिर व्यवहार में मुद्राओं पर अंकित चिह्न वही बना रहेगा जो पूरे देश में लागू है, तब तमिलनाडु के सरकारी दस्तावेजों में अलग चिह्न प्रयुक्त होने भी लगे, तो क्या फर्क पड़ेगा। इससे लोगों में भ्रम ही पैदा होगा।

स्टालिन के अपने दलगत लाभ हो सकते हैं, पर उसके लिए राज्य में मुद्रा के राष्ट्रीय प्रतीक को बदलना बहुत छोटी बात मानी जाएगी। असल मुद्दा परिसीमन का है, बात उस पर होनी चाहिए। उससे जुड़े अनेक सवाल हो सकते हैं, और हैं भी। कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। इन सबका निराकरण लोकतांत्रिक प्रक्रिया से ही संभव है। राष्ट्रीय प्रतीकों से छेड़छाड़ करने से राष्ट्रीय पहचान ही विरूपित होगी।

UP की इस लकड़ी ने 23 सालों से नहीं खाया अन्न

जरा हट के

कहा जाता है कि अगर जन्म से कोई अलौकिक शक्ति के साथ पैदा होता है, तो उसे भगवान का अवतार माना जाता है. कुछ ऐसा ही जीवन अलीगढ़ की एक लड़की जी रही है. यहां अलीगढ़ के सरसौल इलाके में रहने वाली 23 साल की कृष्ण शर्मा ने अपने अनोखे आहार और जीवनशैली से सबको हैरत में डाल दिया है. उनका दावा है कि जन्म से लेकर अब तक उन्होंने कभी अन्न ग्रहण नहीं किया, फिर भी वह पूरी तरह स्वस्थ और सक्रिय है. उनकी यह जीवनशैली चिकित्सा और विज्ञान की दुनिया के लिए एक रहस्य बनी हुई है.

कृष्ण शर्मा की ये असाधारण कहानी न केवल उनके परिवार और पड़ोसियों के लिए चौंकाने वाली है, बल्कि चिकित्सा विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं को भी सोचने पर मजबूर कर रही है. जहां आम इंसान के लिए अन्न ऊर्जा और

पोषण का मुख्य स्रोत माना जाता है, वहीं कृष्ण की जीवनशैली इस धारणा को चुनौती देती है. कृष्ण शर्मा ने बताया कि उन्होंने बचपन से ही अन्न नहीं खाया. वह केवल फल और जूस पर जीवन यापन करती हैं. उनका कहना है कि अगर वह अन्न से बना कुछ भी खाती हैं, तो उनकी तबीयत बिगड़ जाती है. एक बार उनके पिता ने उन्हें रोटी खिलाने की कोशिश की थी, जिससे उनकी तबीयत इतनी खराब हो गई कि उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा.

कृष्ण का मानना है कि उनके इस असाधारण आहार के पीछे भगवान का आशीर्वाद है. वह भगवान में गहरी आस्था रखती हैं और मां वैष्णो देवी की भक्त हैं. उन्होंने कहा, मुझे कभी अन्न खाने की भूख नहीं लगती और ना ही मैंने कभी अन्न खाया है. मुझे कभी कोई कमजोरी या बीमारी महसूस नहीं होती. कृष्ण शर्मा ने अलीगढ़ के विवेकानंद कॉलेज से कंप्यूटर साइंस में बीटेक की डिग्री हासिल की है और अब वह आईएएस की तैयारी कर रही हैं. उनका सपना है कि वह एक दिन कलेक्टर बने. उनके परिवार में छह बहन-भाई हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं. उनके पिता धीरेन्द्र शर्मा ट्रांसपोर्ट का छोटा सा बिजनेस करते हैं, जबकि उनकी मां रेखा शर्मा एक हाउसवाइफ हैं.

तरबूज का शरबत

खाना-खजाना

तरबूज का शरबत बनाना बहुत ही आसान और ताज़गी भरा होता है। यह गर्मी के दिनों में बहुत फायदेमंद होता है। तरबूज का शरबत पीने से न केवल शरीर को ठंडक मिलती है बल्कि यह पोषक तत्वों से भरपूर भी होता है। इसे गर्मी के दिनों में जरूर ट्राई करें! यहां तरबूज का शरबत बनाने की आसान रेसिपी दी गई है। आइए जानें।

सामग्री :

- 2-3 चम्मच चीनी (स्वादानुसार)
- 1 मध्यम आकार का तरबूज (लगभग 4-5 कप कटे हुए टुकड़े)
- 1 कप ठंडा पानी
- 1 चम्मच नींबू का रस (ऑप्शनल)
- बर्फ के टुकड़े (सर्व करने के लिए)
- पुदीने की पत्तियां (सजाने के लिए)

विधि :

तरबूज को धोकर छील लें और छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। बीजों को अलग कर दें (अगर बीज रह जाएं तो शरबत में कड़वाहट आ

सकती है)।

तरबूज के टुकड़ों को ब्लेंडर में डालें और इसे अच्छी तरह से ब्लेंड कर लें जब तक कि यह एक स्मूद प्यूरी न बन जाए। ब्लेंड किए हुए तरबूज को एक छलनी या मलमल के कपड़े से छान लें ताकि गूदा अलग हो जाए और केवल रस ही रह जाए। छने हुए तरबूज के रस में चीनी और ठंडा पानी मिलाएं। अच्छी तरह से मिलाएं ताकि चीनी पूरी तरह से घुल जाए। अगर आप चाहें तो इसमें नींबू का रस भी मिला सकते हैं, इससे शरबत का स्वाद और बढ़ जाएगा। तरबूज के शरबत को गिलास में डालें और ऊपर से बर्फ के टुकड़े डालें। पुदीने की पत्तियों से सजाकर सर्व करें।

त्वचा का कायाकल्प करेगा चंदन

पिंपल्स और दाग-धब्बों से छुटकारा दिलाकर स्किन को बेबी सॉफ्ट बना सकता है चंदन, बस ऐसे करें इस्तेमाल

खूबसूरत, बेदाग और मुलायम त्वचा पाने की चाहत हर किसी की होती है, लेकिन पिंपल्स, दाग-धब्बे और रूखापन हमारी स्किन की नैचुरल चमक को कम कर सकते हैं। अगर आप भी ऐसे ही किसी समस्या से जूझ रहे हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है! प्राकृतिक चीजों में चंदन एक ऐसा उपाय है जो आपकी स्किन को बेबी सॉफ्ट बना सकता है।

चंदन का इस्तेमाल प्राचीन समय से ही स्किन केयर में किया जाता रहा है। यह एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और स्किन सूदिंग प्रॉपर्टीज से भरपूर होता है, जो पिंपल्स, झाइयों और दाग-धब्बों को कम करने में मदद करता है। आइए जानते हैं कि चंदन को सही तरीके से इस्तेमाल कर कैसे पाएं दमकती और कोमल त्वचा।

पिंपल्स हटाने के लिए चंदन फेस पैक

कैसे बनाएं?

- 1 चम्मच चंदन पाउडर लें।
- उसमें गुलाब जल मिलाएं और गाढ़ा पेस्ट बना लें।
- इस पेस्ट को पिंपल्स पर लगाएं और 15-20 मिनट बाद धो लें।

फायदे

- यह पैक स्किन में बैक्टीरिया को खत्म कर पिंपल्स को सुखाने में मदद करता है।
- त्वचा को ठंडक पहुंचाता है और सूजन कम करता है।

दाग-धब्बे और झाइयों के लिए चंदन पैक

कैसे बनाएं?

- 1 चम्मच चंदन पाउडर में आधा चम्मच हल्दी और दूध मिलाएं।
- इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट तक सूखने दें और फिर धो लें।

फायदे

- चंदन और हल्दी स्किन को ग्लोइंग बनाते हैं और दाग-धब्बों को हल्का करते हैं।
- दूध त्वचा को मॉइश्चराइज कर उसे बेबी सॉफ्ट बनाता है।

ऑयली स्किन के लिए चंदन फेस मास्क

कैसे बनाएं?

- 1 चम्मच चंदन पाउडर में मुल्तानी मिट्टी और नींबू का रस मिलाएं।
- इसे पूरे चेहरे पर लगाकर 20 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें।

फायदे

- यह मास्क एक्स्ट्रा ऑयल को कंट्रोल करता है और स्किन को मैट-फिनिश देता है।
- नींबू त्वचा के पोर्स को टाइट करता है और मुंहासों से छुटकारा दिलाता है।

ड्राई स्किन के लिए चंदन और शहद पैक

कैसे बनाएं?

- 1 चम्मच चंदन पाउडर में 1 चम्मच शहद मिलाएं।
- इसे चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें।

फायदे

- यह पैक त्वचा को डीप मॉइश्चर देता है और रूखेपन को दूर करता है।
- शहद और चंदन स्किन को स्मूद और सॉफ्ट बनाते हैं।

ग्लोइंग स्किन के लिए चंदन और एलोवेरा जेल

कैसे बनाएं?

- 1 चम्मच चंदन पाउडर में 1 चम्मच एलोवेरा जेल मिलाएं।
- इसे चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें।

फायदे

- यह स्किन को रिफ्रेश करता है और नेचुरल ग्लो देता है।
- एलोवेरा त्वचा की जलन को शांत करता है और चंदन ठंडक पहुंचाता है।

अगर आप पिंपल्स, दाग-धब्बे और रूखी त्वचा से परेशान हैं तो चंदन का इस्तेमाल आपकी स्किन को बेबी सॉफ्ट बना सकता है। इसे हफ्ते में 2-3 बार आजमाकर आप कुछ ही दिनों में फर्क देख सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। हानि संभव है।

वृषभ : किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। निवेश शुभ रहेगा।

मिथुन : व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा।

कर्क : कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यय होगा। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा।

सिंह : तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। ज्ञातृता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा। थकान महसूस होगी।

कन्या : यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में मनोनुकूल वृद्धि होगी।

तुला : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्ययसाय लाभप्रद रहेगा।

वृश्चिक : कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें। यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु : किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

मकर : परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। निवेश करने का समय नहीं है।

कुंभ : जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है। सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा।

मीन : किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

उपयोगी और गुणकारी पौधा है चांगेरी घास

हमारे आसपास कई आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां और औषधीय पौधे मौजूद होते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम उनके लाभों से अनजान रहते हैं. ऐसा ही एक बेहद उपयोगी और गुणकारी पौधा है चांगेरी घास, जिसे 'इंडियन सॉरेल' के नाम से भी जाना जाता है. यह घास आसानी से मिल जाती है और अपने औषधीय गुणों के कारण आयुर्वेद में इसका महत्वपूर्ण स्थान है.

प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों चरक संहिता और सुश्रुत संहिता में चांगेरी घास के औषधीय गुणों का विस्तार से उल्लेख किया गया है. इसे विशेष रूप से पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याओं, बवासीर और दस्त जैसी बीमारियों के उपचार के लिए उपयोगी माना जाता है. इस पौधे के पत्ते औषधीय तत्वों से भरपूर होते हैं, जो विभिन्न शारीरिक विकारों को ठीक करने में सहायक होते हैं.

चांगेरी के पोषक तत्व और स्वास्थ्य लाभ

सितंबर 2020 में रिसर्च गेट में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, चांगेरी के पत्तों में पोटेशियम, कैल्शियम, विटामिन सी, कैरोटीन और ऑक्सलेट जैसे

पोषक तत्व होते हैं, जो इसे एक शक्तिशाली पोषण स्रोत बनाते हैं. इसकी तासीर गर्म मानी जाती है, जिससे यह सूजन को कम करने, पित्त को संतुलित करने और हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है.

चांगेरी का त्वचा और पाचन तंत्र पर प्रभाव

यह पौधा त्वचा की समस्याओं को दूर करने में भी कारगर है. इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीफंगल और एंटीकॉन्वेलसेंट गुण त्वचा संबंधी विकारों में राहत पहुंचाते हैं. चांगेरी के पत्तों को चंदन पाउडर के साथ मिलाकर लगाने से पिंपल्स और काले धब्बे कम हो सकते हैं. इसके अलावा, इसके पीले फूलों को चावल के आटे के साथ मिलाकर लगाने से त्वचा का रंग निखरता है और दाग-धब्बे दूर होते हैं. पाचन तंत्र के लिए भी चांगेरी बेहद फायदेमंद है. इसका सेवन भूख बढ़ाने, लीवर की कार्यक्षमता सुधारने और पेट की जलन को दूर करने में सहायक होता है. यह दस्त और बवासीर जैसी समस्याओं में भी कारगर माना जाता है.

महिलाओं के लिए चांगेरी के विशेष लाभ

चांगेरी महिलाओं में होने वाली ल्यूकोरिया (व्हाइट डिस्चार्ज) की समस्या के उपचार में भी सहायक है. कहा जाता है कि इसके पत्तों के रस को मिश्री के साथ मिलाकर सेवन करने से ल्यूकोरिया, हड्डियों की कमजोरी और शारीरिक दर्द में राहत मिलती है.

चांगेरी के औषधीय उपयोग और निष्कर्ष

चूंकि चांगेरी की तासीर गर्म होती है, यह कफ और सूजन को कम करने में मदद करती है. यह शरीर की अतिरिक्त गर्मी को संतुलित कर शरीर के विभिन्न हिस्सों में दर्द से राहत दिलाने में सहायक होती है.शोधों में यह भी पाया गया है कि चांगेरी घास न केवल एक औषधीय पौधा है, बल्कि यह पौष्टिक तत्वों से भरपूर होने के कारण संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती है.

गजब की है कटोरी से आलू छिलने की यह ट्रिक

सबसे पहले आलू को अच्छी तरह से धोकर प्रेशर कुकर या बर्तन में उबाल लें इस बात का ध्यान रखें कि आलू पूरी तरह से उबल जाएं ताकि बाद में उन्हें आसानी से छील सकें. जब आलू उबल जाएं तो उन्हें एक प्लेट में निकालकर हल्का ठंडा होने के लिए रख दें.

जब आलू हल्के ठंडे हो जाएं तो एक स्टील की कटोरी लें. इस कटोरी को उबले आलू के ऊपर रखें और हल्के हाथों से दबाव डालते हुए उसे आलू पर रोल करें. यह तरीका न केवल आसान है, बल्कि आपके हाथ भी गंदे नहीं होते.

कटोरी से हल्के दबाव डालते ही आलू मैश होना शुरू हो जाएगा. आलू का छिलका कटोरी के दबाव से धीरे-धीरे ऊपर की ओर उठने लगेगा. इस तरह सेआलू फूटकर नर्म हो जाता है, जिससे छिलका अपने आप अलग हो जाता है.

जैसे ही आप आलू को कटोरी से दबाते हैं, उसका छिलका आसानी से अलग हो जाता है. यह तरीका खासकर उन लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है, जो बार-बार आलू छीलने में समय और मेहनत बर्बाद नहीं करना चाहते हैं.

कटोरी से दबाने के बाद आलू का छिलका ऊपर की ओर उठ जाता है अब आपको केवल हल्के हाथों से उस छिलके को खींचना है और आपका आलू पूरी तरह से छिलकर तैयार हो जाएगा.

अब बिना किसी झंझट के आलू पूरी तरह से छिल चुके हैं इस तकनीक से आलू के मैश हो जाने से उन्हें किसी भी डिश में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है. चाहे वह पराठा हो टिक्की हो या फिर आलू की सब्जी.

कटोरी की मदद से आलू छीलने का यह अनोखा तरीका न केवल झंझट-मुक्त है बल्कि यह आपके समय और मेहनत दोनों को बचाता है. यह ट्रिक खासकर उन लोगों के लिए बेहतरीन है, जो रोजाना खाना बनाते हैं और आलू का इस्तेमाल करते हैं.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बच्ची से हैवानियत: होंठ काटे-सिर जमीन पर दे मारा; महिलाएं बोलीं- फांसी से कम मंजूर नहीं

हाथरस। वहशी दरिंदे ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। सात वर्ष की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। शोर मचाने पर उसके होठों को काटा। एक दांत तोड़ दिया। जान से मारने की नीयत से सिर जमीन पर पटका। चाकू से डराया। गले पर नाखून के दरिंदे के निशान हैं। इस घटना के बारे में जिसने सुना आक्रोश से उबल पड़ा। मासूस से दरिंदगी को लेकर बिसावर में दूसरे दिन भी उबाल है। सुबह से धरना-प्रदर्शन चल रहा है। बाजार बंद है। महिलाएं सड़कों पर बैठी हैं। अधिकारियों से समझाने पर भी कोई मान नहीं रहा। महिलाएं बिफर रही हैं। उनका कहना है कि हमें दुष्कर्मी अमन खां की मौत चाहिए। इसके वीडियो प्रसारित हो रहे हैं। धरने पर बैठी एक महिला का कहना है कि दुष्कर्म करने वाले को गोली लगनी चाहिए। परिवार सहित निकालना चाहिए। नहीं तो हम आत्महत्या कर लेंगे।

सब्जी वाले को दिल दे बैठी दो बच्चों की मां, होली पर प्रेमी ने गला रेत दिया

हंडिया। बरौत कस्बा में शुक्रवार रात संदीप कुमार ने पहले राधा के साथ होली खेली और फिर आरी से गला रेतकर फरार हो गया था। हंडिया पुलिस ने एसओजी, सर्विलांस की मदद से अभियुक्त संदीप को गिरफ्तार करते हुए हत्याकांड का पर्दाफाश किया। पुलिस के सामने आरोपित ने जुर्म स्वीकार करते हुए कत्ल की पूरी कहानी बयां कर दी।

संदीप ने बताया कि बरौत में उसकी सब्जी की दुकान है। राधा देवी पिछले करीब आठ साल से अपने पिता कड़ेदीन के घर पर दोनों बच्चों के साथ रह रही थी। करीब तीन-चार साल पहले राधा देवी से उसकी दोस्ती हो गई थी और उसके घर भी आना-जाना हो गया था। 14 मार्च की रात साढ़े 10 बजे राधा देवी ने फोन करके अपने घर बुलाया। दोनों ने कमरे में होली खेली। इसी बीच राधा देवी कहने लगी कि मेरा परिवार उसकी वजह से छूट गया है। अब वह भी अपना परिवार छोड़ दे। इससे वह तंग आ चुका था और अंदर ही अंदर घुट रहा था। तब उसने राधा को अपने रास्ते से हटाने के बारे में सोचा और फिर कमरे में पड़ी रेती से उसका गला रेतकर मार डाला था।

नहर में बहता मिला 22 वर्षीय युवती का शव

कानपुर। सचेंडी के धरमंगदपुर गांव की रामगंगा नहर में करीब 22 वर्षीय युवती का शव बोरे में मिला है। उसके चेहरे, हाथ व अन्य हिस्सों में चोटों तथा गले में रस्सी से कसने जैसे निशान हैं। उसकी हत्या कर शव फेके जाने की आशंका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। शव दो से तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। शिनाख्त के लिए कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा, औरैया समेत आसपास के जिलों से लापता हुईं युवतियों की जानकारी मांगी गई है। प्रदेश के कई थानों को फोटो भी भेजी गई है। युवती के बाएं हाथ में अंग्रेजी में ए अल्फाबेट गुदा हुआ है।

युवक की हत्या कर फेंका शव

अटौरा (रायबरेली)। गुरबक्शगंज के एक गांव निवासी युवक का शव घर से करीब डेढ़ किलोमीटर दूरी पर संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे पड़ा मिला। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मृतक के गले व सीने पर चोट के निशान बने हुए हैं। साथ ही आसपास शव को खींचे जाने के निशान भी दिखाए दिए। मृतक की मां ने अज्ञात पर बेटे की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। रामनगर मजरे पोरई निवासी राजकुमारी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनका पुत्र सुरेंद्र कुमार रविवार की शाम घर से निकला था, जिसके बाद देर शाम तक वापस नहीं लौटा।

महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा बढ़ाई गई

- बजरंग दल और VHP ने हटाने की मांग की है
- कांग्रेस बोली- ये राज्य में अशांति चाहते हैं

मुंबई. महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर (पहले औरंगाबाद) में स्थित औरंगजेब की कब्र हटाने का मामला तूल पकड़ने लगा है। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (VHP) ने महाराष्ट्र सरकार से इसे जल्द हटाने की मांग की है। विवाद के बीच कब्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

विश्व हिंदू परिषद (VHP) महाराष्ट्र और गोवा के क्षेत्रीय मंत्री गोविंद शेंडे ने औरंगजेब की कब्र को गुलामी का प्रतीक बताया। उन्होंने सोमवार को कहा- 17 मार्च यानी आज शिवाजी महाराज की जयंती है। आज हम महाराष्ट्र में प्रदर्शन और छत्रपति संभाजीनगर की तरफ मार्च करेंगे।

शेंडे ने कहा- औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी महाराज को मारने से पहले 40 दिनों तक यातना दी थी। ऐसे क्रूर शासक का निशान क्यों रहना चाहिए।

औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर सोमवार को महाराष्ट्र भर में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (VHP) की ओर से प्रदर्शन किया जा रहा है। इस दौरान मुगल आक्रांताओं के पुतले भी जलाए जा रहे हैं।

टी राजा ने भी कब्र हटाने की मांग की

तेलंगाना के गोशामहल से भाजपा विधायक हिन्दूवादी नेता टी राजा सिंह ने भी कब्र हटाने की मांग की है। उन्होंने कहा- मैं VHP और बजरंग दल की मांग का समर्थन करता हूं।

इससे पहले टी राजा सिंह ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को 15 मार्च को लिट्ठी लिखी थी। उन्होंने छत्रपति संभाजी नगर जिले में स्थित मुगल सम्राट औरंगजेब के मकबरे के रखरखाव पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा आवंटित खर्च का विवरण मांगा है।

उन्होंने कहा- आखिर हिंदू राजाओं की हत्या, मंदिरों को तोड़ने वाले और हमारी संस्कृति का दमन करने वाले औरंगजेब के मकबरे पर सरकारी खर्च का क्या औचित्य है? करदाताओं का एक भी रुपया उस तानाशाह की कब्र के रखरखाव पर खर्च नहीं किया जाना चाहिए, जिसने हमारे पूर्वजों को बहुत पीड़ा दी। इसे फौरन रोकना चाहिए।

जस्टिस बागची बने सुको के 33वें जज

2031 में संभालेंगे CJI का कार्यभार

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) संजीव खन्ना ने कलकत्ता हाई कोर्ट के जज जॉयमाला बागची को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई। सर्वोच्च न्यायालय के परिसर में एक समारोह आयोजित कर जस्टिस बागची को शपथ दिलाई गई है। इस कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के अन्य न्यायाधीश भी उपस्थित रहे।

न्यायमूर्ति बागची के सुप्रीम कोर्ट के जज बनने के साथ ही अब शीर्ष अदालत में 33 न्यायाधीश हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 है। फिलहाल एक पद खाली है। बता दें, जस्टिस बागची का कार्यकाल 6 साल से अधिक का होगा। इस दौरान वो सीजेआई का भी पदभार संभालेंगे।

पांच महीने तक संभालेंगे सीजेआई का पद

न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची न्यायाधीश केवी विश्वनाथन के बाद सीजेआई का पद संभालेंगे। न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन 25 मई 2031 तक अपनी सेवानिवृत्ति तक भारत के प्रधान न्यायाधीश का पद संभालेंगे।

केंद्र ने 10 मार्च को दी थी मंजूरी

केंद्र सरकार ने 10 मार्च को न्यायमूर्ति बागची के सुप्रीम कोर्ट के जज बनने की मंजूरी दी थी। इससे पहले मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अगुवाई वाले पांच सदस्यीय कॉलेजियम ने 6 मार्च को उनके नाम की सिफारिश की थी। इस कॉलेजियम में जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस विक्रम नाथ शामिल थे।

कॉलेजियम ने क्या कहा?

कॉलेजियम ने कहा था कि 18 जुलाई 2013 को न्यायमूर्ति अल्तमस कबीर के सेवानिवृत्ति के बाद से कलकत्ता हाई कोर्ट का कोई भी न्यायाधीश भारत का प्रधान न्यायाधीश नहीं बना है। जस्टिस बागची को 27 जून 2011 को कलकत्ता हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। 4 जनवरी 2021 को उन्हें आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में स्थानांतरित किया गया था।

कर्नाटक में वापसी करेगी भाजपा?

- बीएस येदियुरप्पा का बड़ा दावा
- गुटबाजी के सवाल पर दिया ये जवाब

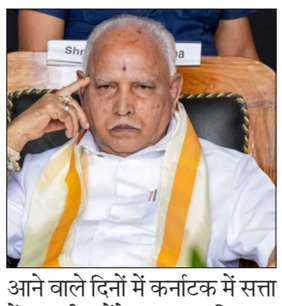

बेलगावी. भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा ने रविवार को भरोसा जताया कि कर्नाटक में भाजपा आने वाले दिनों में सत्ता में वापसी करेगी, क्योंकि राज्य का माहौल पार्टी के पक्ष में है।

भाजपा की कर्नाटक इकाई में बढ़ती गुटबाजी के बीच पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी के सभी सदस्यों को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए माहौल बहुत अनुकूल है और मुझे शत-प्रतिशत यकीन है कि हम आने वाले दिनों में कर्नाटक में सत्ता में वापसी करेंगे। हम सब मिलकर इस दिशा में ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं।

कर्नाटक भाजपा में गुटबाजी की चर्चा

येदियुरप्पा ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि कोई सुझाव देने का सवाल ही नहीं उठता है, सबको हर हाल में मिलकर काम करना होगा। कर्नाटक भाजपा में गुटबाजी खुलकर सामने आई है।

बीजापुर शहर से विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और गोकक से विधायक रमेश जरकीहोली के नेतृत्व में पार्टी का एक धड़ा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र के इस्तीफे की मांग पर अड़ा हुआ है।

यतनाल और जरकीहोली ने विजयेंद्र की खुलेआम आलोचना करते हुए उन पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के साथ सुविधा की राजनीति करने का आरोप लगाया है। हालांकि, येदियुरप्पा ने यतनाल से जुड़े सवाल का जवाब देने से इन्कार कर दिया।

न्यूजीलैंड और भारत के बीच हुए 6 समझौते

नई दिल्ली. हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपने रणनीतिक हितों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए भारत ने न्यूजीलैंड के साथ अपने रक्षा संबंधों को संस्थागत स्वरूप देने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत यात्रा पर आए न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच सोमवार को हुई द्विपक्षीय बैठक के दौरान रक्षा संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। आतंकवादी और कट्टरपंथी तत्वों के खिलाफ आपसी सहयोग का भी दोनों देशों ने संकल्प जताया है। पीएम मोदी ने लक्सन से न्यूजीलैंड में कुछ गैरकानूनी संगठनों विशेष रूप से खालिस्तानी आतंकी संगठन की बढ़ रही गतिविधियों को लेकर भारत की चिंता से रूबरू कराया।

कुपवाड़ा में एक आतंकी ढेर

- ऑपरेशन जारी

जम्मू. जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के साथ सटे खुरमोरा राजवार इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया और कुछ आतंकी घेराबंदी तोड़कर भागने में कामयाब रहे।

भाग निकले आतंकियों को पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों का अभियान जारी है। एक सैनिक के घायल होने की सूचना है। अधिकारियों ने यहां बताया कि सुरक्षाबलों ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद जचलदारा के क्रुम्हूरा गांव में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

कांग्रेस बोली- रेलवे वेंटिलेटर पर

- इंस्टाग्राम रील बनाने से नहीं सुधरेगा
- राज्यसभा में कांग्रेस-TMC का वॉकआउट
- डुप्लीकेट वोटर ID पर चर्चा की मांग कर रहे थे

नई दिल्ली. बजट सत्र के दूसरे फेज का सोमवार को चौथा दिन है। लोकसभा में महाराष्ट्र से कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने लोकसभा में रेल मंत्री पर निशाना साधा। कहा कि जब कोई सार्वजनिक उपक्रम वेंटिलेटर पर हो, तब इंस्टाग्राम रील बनाने से कुछ नहीं होता। यह सरकार के खराब प्रबंधन का असर है।

वर्षा गायकवाड़ अनुदान की मांगों पर चर्चा में हिस्सा ले रही थीं। उन्होंने ये भी कहा कि दावा किया जाता है कि रेल बजट अभूतपूर्व बदलाव किए गए, जबकि ये गलत है। सच ये है कि ये फेल बजट है। मौजूदा सरकार यही नरेटिव बनाने की कोशिश करती है कि हर विकास 2014 के बाद हुआ। जबकि तथ्य ये हैं कि पब्लिक सेक्टर के उपक्रम खराब स्थिति में हैं।

इधर, राज्यसभा में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने वॉकआउट किया। दोनों पार्टियों के सांसद डुप्लीकेट वोटर आईडी पर चर्चा की मांग कर रहे थे।

कांग्रेस, TMC ने नोटिस दिया- सदन की दिनभर की कार्यवाही रोकें

तृणमूल कांग्रेस (TMC), कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों के 10 सांसदों ने नियम 267 के तहत नोटिस दिया। इसके तहत उन्होंने मांग की कि सदन की दिनभर की कार्यवाही रोकी जाए और मुद्दे (डुप्लीकेट वोटर आईडी) पर चर्चा हो। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने इससे इनकार कर दिया।

कॉन्स्टेबल ने ASI पर दागी 18 गोलियां, मौत

- गाली देने से भड़का ITBP जवान

रायपुर. रायपुर के मुड़ीपार स्थित ITBP 38वीं बटालियन (भारत तिब्बत सीमा सुरक्षा बल) कैंप में कॉन्स्टेबल ने इंसास राइफल से ASI की गोली मारकर हत्या कर दी। एएसआई ने आरक्षक के सिर और सीने पर 18 गोलियां बरसाई हैं। पुलिस ने आरोपी आरक्षक को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना सुबह 9 बजे की है। मॉर्निंग परेड के दौरान एएसआई देवेंद्र सिंह दहिया के डांटने से गुस्से में आकर आरक्षक सरोज कुमार ने फायरिंग की है। इसकी जानकारी मिलने पर खरोरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। ITBP की 38वीं बटालियन के उच्च अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। आरोपी कॉन्स्टेबल सरोज कुमार (32) बिहार के बक्सर जिले का रहने वाला है। वहीं मृतक ASI देवेंद्र सिंह दहिया (56) हरियाणा के रहने वाले थे।

मुंबई एयरपोर्ट पर 8.47 करोड़ का सोना पकड़ाया

- अंडर गारमेंट्स में छिपाकर लाया जा रहा था
- तीन एयरपोर्ट स्टाफ समेत 5 गिरफ्तार

मुंबई. मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने 10 किलो सोना जब्त किया है। इसकी मार्केट वैल्यू 8.47 करोड़ रुपए है। एयरपोर्ट के तीन निजी स्टाफ को गिरफ्तार किया गया है।

एयरपोर्ट स्टाफ अपने अंडर गारमेंट्स में ये सोना छिपाकर एयरपोर्ट से बाहर ले जाना चाहते थे। कस्टम विभाग ने 13 से 15 मार्च के बीच ये जब्तियां की हैं। सोमवार को इसकी आधिकारिक जानकारी दी गई।

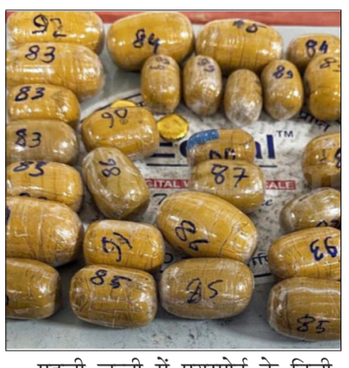

पहली जब्ती में एयरपोर्ट के निजी स्टाफ के पैंट की जेब से 6 कैप्सूल मिले। इनमें 2.8 किलो के 24 कैरेट सोने का पाउडर भरा हुआ था। इसकी बाजार कीमत 2.27 करोड़ रुपए आंकी गई है।

दूसरी जब्ती में एक अन्य निजी स्टाफ के पास से भी अधिकारियों को 2.9 किलो 24 कैरेट सोने का पाउडर मिला, जिसकी कीमत 2.36 करोड़ रुपए है। यह सोना सात कैप्सूलों में रखा हुआ था।

तीसरी जब्ती में एक अन्य कर्मचारी को पकड़ा गया। उसने अंडर गारमेंट्स से 1.6 किलोग्राम 24 कैरेट सोने के पाउडर से भरे दो पाउच बरामद किए गए, जिनकी कीमत 1.31 करोड़ रुपए है।

- कचरे की थैलियों में 3.1 ग्राम सोने का पाउडर मिला

दो अन्य मामलों में कस्टम अधिकारियों ने प्लेन के टॉयलेट और पेंट्री के कचरे से भरे थैलों की तलाशी के दौरान काले रंग की दो थैलियों में 3.1 ग्राम सोने का पाउडर मिला। इसकी कीमत 2.53 करोड़ रुपए है।

इंडिया मास्टर्स बनी IML-2025 की चैंपियन

- वेस्टइंडीज को हराया
- सचिन ने दिलाई पुराने समय की याद
- युवराज सिंह ने ली विनर सेल्फी

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग 2025 के फाइनल में सचिन की टीम ने ब्रायन लारा की वेस्टइंडीज मास्टर्स को 6 विकेट से हरा दिया। जीत के बाद सचिन, युवराज सिंह, इरफान पठान जैसे दिग्गज क्रिकेटर ग्राउंड का चक्कर लगाते हुए दर्शकों का अभिवादन स्वीकार रहे थे। यह नजारा क्रिकेट फैंस को कई यादें दे गया, जब सचिन भारतीय टीम का हिस्सा हुआ करते थे।

रविवार 16 मार्च को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शहीद वीर नारायण क्रिकेट स्टेडियम में फाइनल मैच खेला गया। ग्रैंड फिनाले में वेस्टइंडीज मास्टर्स के कप्तान ब्रायन लारा ने भी शानदार बैटिंग की। उम्र दराज हो चले खिलाड़ियों में कहीं भी जोश कम नजर नहीं आया। शानदार शॉट लगाकर और विकेट लेकर खिलाड़ी मैदान में माहौल में बनाते रहे।

सचिन और रायडू की शानदार पार्टनरशिप

इंडिया मास्टर्स ने पहले गेंदबाजी करते हुए विपक्षी टीम वेस्ट इंडीज मास्टर्स को 148/7 के स्कोर पर रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए मास्टर ब्लास्टर तेंदुलकर (25) और अंबाती रायडू (74) की 67 रनों की साझेदारी ने मैच में इंडियन टीम को मजबूत किया।

सचिन के शॉट्स ने दर्शकों में भरा जोश

इंडिया मास्टर्स ने अपनी बल्लेबाजी से सबको चौंका दिया, क्योंकि तेंदुलकर और रायडू ने लोगों से खचाखच भरे स्टेडियम में पुराने शॉट्स की याद दिला दी। जिसके लिए यह खिलाड़ी जाने जाते हैं।

चंद्रयान-5 मिशन को केंद्र की मंजूरी

- चंद्रमा की सतह की स्टडी के लिए 250kg का रोवर ले जाएगा
- यह चंद्रयान-3 से 10 गुना ज्यादा वजनी

बेंगलुरु. इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (ISRO) के अध्यक्ष वी नारायणन ने रविवार को बताया कि केंद्र सरकार ने चंद्रयान-5 मिशन को मंजूरी दे दी है। वे बेंगलुरु में ISRO चीफ का पदभार संभालने के बाद एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने बताया- अभी तीन दिन पहले ही हमें चंद्रयान-5 मिशन के लिए मंजूरी मिली है। इसमें जापान हमारा सहयोगी होगा। चंद्रयान-3 मिशन के लिए 25 किलोग्राम का रोवर (प्रज्ञान) ले जाया गया था, जबकि चंद्रयान-5 मिशन चंद्रमा की सतह का अध्ययन करने के लिए 250 किलोग्राम वजनी रोवर ले जाएगा।

आगे के प्रोजेक्ट के बारे में नारायणन ने कहा- 2027 में लॉन्च होने वाले चंद्रयान-4 मिशन का मकसद चंद्रमा की मिट्टी के नमूने लाना है। वहीं, गगनयान सहित कई मिशनों के अलावा अंतरिक्ष में भारत का अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने की योजनाओं पर काम चल रहा है।

सितंबर, 2024 में मिली थी चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी

कैबिनेट ने पिछले साल सितंबर में चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी दी थी। इस मिशन का उद्देश्य स्पेसक्राफ्ट को चंद्रमा पर उतारना, चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के सैंपल इकट्ठा करना और उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाना है।

तेलंगाना CM की ट्रोलर्स को चेतावनी

नंगा करवाकर पिटवाऊंगा

- कहा- परिवार के खिलाफ सोशल मीडिया पर लिखना ठीक नहीं, खून खौलता है

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा है कि उनके खिलाफ अपशब्द कहने वालों को 'नंगा कर बीच सड़क पर परेड निकालकर पीटा जाएगा। रेड्डी का यह बयान राज्य में दो महिला पत्रकारों की गिरफ्तारी के बाद आया है। इन पर आपत्तिजनक पोस्ट करने का आरोप है। रेड्डी ने विधानसभा में कहा- यह मत सोचिए कि मैं चुप हूं, क्योंकि मैं मुख्यमंत्री हूं। मैं आपको नंगा कर दूंगा और आपको पीटूंगा। ऐसे लाखों लोग हैं जो मेरे कहने पर आपको पीटने के लिए सड़कों पर उतर आएंगे। मैं अपने पद के कारण सहनशील बना हुआ हूं। हालांकि, उन्होंने फिर कहा कि मैं जो भी करूंगा, कानून के दायरे में रहकर करूंगा।

महाराष्ट्र शासन
जलसंपदा विभाग
कार्यकारी अभियंता,
भातसा धरण व्यवस्थापन विभाग, भातसानगर यांचे कार्यालय
भातसा प्रकल्प वसाहत, भातसानगर, ता. शहापूर, जि. ठाणे पिन कोड 421603,
दुरध्वनी क्र. 02527-249594, email-eebdmdbhatsa@gmail.com

सत्यमेव जयते

ई-निविदा सूचना क्र.25 सन 2024-25

महाराष्ट्र राज्याच्या राज्यपालांच्या वतीने कार्यकारी अभियंता, भातसा धरण व्यवस्थापन विभाग, भातसानगर, जलसंपदा विभाग, महाराष्ट्र शासन हे सक्षम निविदाकारांकडुन खालील कामांकरीता ब-1 नमुन्यातील ई-निविदा प्रणालीद्वारे (ऑनलाईन) निविदा मागवित आहेत. निविदा कागदपत्रे शासनाचे संकेतस्थळ https:/mahatenders.gov.in येथुन डाऊनलोड करण्यात यावीत. सविस्तर निविदा सूचना व ई निविदेबाबत सर्व माहिती शासनाच्या संकेतस्थळावर व विभागीय कार्यालयाच्या सूचना फलकावर उपलब्ध आहे. निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार मुख्य अभियंता, जलसंपदा विभाग, कोंकण प्रदेश, मुंबई यांनी राखून ठेवला आहे. अट असलेली निविदा स्विकारली जाणार नाही. सदर निविदा सूचनेमध्ये काही बदल होत असल्यास https:/mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर कळविण्यात येईल.

अ. क्र.	कामाचे नांव	निविदा रक्कम	निविदा दस्तऐवजाची किंमत	कामाचा कालावधी	ई-निविदा उपलब्ध कालावधी	ई-निविदा घडणे
1	2	3	4	5	6	7
1.	भातसा उजवा तीर कालवा सा.क्र.14/720 ते 15/300 मी मध्ये भराव दुरुस्तीसह Bituminous Geomembrane BGM प्रकारचे अस्तरीकरण करणे.	रु.249.59 लक्ष	2000/- +GST	12 महिने (पावसाळा कालावधी धरुन)	दि.18/03/2025 स.11.00 ते 25/03/2025 सं.18.00 वा पर्यंत	दि.27/03/2025 स.11.00 वा.
2.	मुमरी प्रकल्पाच्या मौजे खैरे येथील पुनर्वसन गावठाणामध्ये सुधारीत आरखड्यानुसार रस्त्याच्या कडेला काँक्रीट गटारीचे बांधकाम करणे.	रु. 51.07 लक्ष	2000/- +GST	12 महिने (पावसाळा कालावधी धरुन)	दि.18/03/2025 स.11.00 ते 25/03/2025 सं.18.00 वा पर्यंत	दि.27/03/2025 स.11.00 वा.

जा.क्र. भाघव्यवि/लेशा-4/754/2025 दि.13/03/2025
कार्यकारी अभियंता, भातसा धरण व्यवस्थापन विभाग, भातसानगर यांचे कार्यालय

सही/-
कार्यकारी अभियंता,
भातसा धरण व्यवस्थापन विभाग
भातसानगर

संक्षेप...

फर्जी पुलिस बनकर महिला से 20 करोड़ रुपये ठगे

मुंबई. मुंबई की 86 वर्षीय महिला आधार कार्ड से संबंधित साइबर धोखाधड़ी के एक और मामले का शिकार हो गई, जब पुलिस अधिकारी बनकर आए जालसाजों ने उन्हें विश्वास दिलाया कि उनके आधार कार्ड का दुरुपयोग करके विभिन्न अवैध गतिविधियों में लिप्त रहा है और उन्हें फर्जी 'डिजिटल गिरफ्तारी' में डाल दिया, जबकि वे महिला से 20.25 करोड़ रुपये ठगने में सफल रहे। धोखाधड़ी तब शुरू हुई जब उन्हें एक व्यक्ति ने फोन करके पुलिस अधिकारी होने का दिखावा किया। जालसाजों ने महिला को बताया कि उनके आधार कार्ड की जानकारी और अन्य व्यक्तिगत जानकारी का इस्तेमाल एक नया बैंक खाता खोलने के लिए किया गया है, जो मनी लॉन्ड्रिंग सहित कई गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल है।

'औरंगजेब की कब्र का महिमा मंडन किया तो फाड़ कर रख देंगे'

■ महाराष्ट्र के सीएम फडणवीस की सख्त चेतावनी

भिवंडी. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भिवंडी के शिवक्षेत्र मराडे पाडा में छत्रपति शिवाजी महाराज मंदिर (शक्तिपीठ) के लोकार्पण कार्यक्रम में शिरकत की. इस दौरान सीएम फडणवीस ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के कारण ही हम इस देश में अपने इष्ट देवताओं के मंदिरों के दर्शन कर पाए. उन्होंने देश और धर्म के लिए लड़कर स्वराज्य की स्थापना की. मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार हनुमानजी के दर्शन के बिना भगवान श्रीराम के दर्शन पूर्ण नहीं होते, उसी प्रकार छत्रपति शिवाजी महाराज के दर्शन के बिना किसी भी देवता के दर्शन पूर्ण नहीं होते.

कार्यक्रम के दौरान सीएम फडणवीस ने कहा कि केंद्र सरकार ने छत्रपति शिवाजी महाराज के 12 किलों (Forts) को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दिलाने के लिए यूनेस्को को एक प्रस्ताव भेजा है. इसमें संगमेश्वर का वह महल भी शामिल है, जहां छत्रपति संभाजी राजे को धोखे से पकड़ा गया था, उस किले को भी राज्य सरकार अपने कब्जे में लेकर विकसित करने जा रही है. सीएम फडणवीस ने कहा कि इस देश में अगर कोई औरंगजेब की कब्र को लेकर महिमा मंडन करने की कोशिश करेगा, तो उसे फाड़ कर रख देंगे.

महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र को लेकर सियासत गरम है. पुणे जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के सामने आज बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया. बजरंग दल के कार्यकर्ता इस मुद्दे पर बेहद आक्रामक नजर आए और उन्होंने सरकार से अपील की कि वह छत्रपति संभाजीनगर में कब्र को हटाने के लिए तत्काल कदम उठाए. लिहाजा औरंगजेब की कब्र के आसपास बड़ी संख्या में पुलिसबलों की तैनाती की गई है, ताकि कब्र के पास कोई जा न सके.

इसी बीच, एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि ये मुद्दा किसी पार्टी का नहीं, बल्कि इतिहास से जुड़ा है. मुझे नहीं लगता कि इस मामले में किसी भी नेता को हस्तक्षेप करना चाहिए. इतिहासकार इस मुद्दे पर बात कर सकते हैं. मैं महाराष्ट्र सरकार से अपील करूंगी कि इस पर इतिहासकारों से राय लेकर ही कुछ करे.

वहीं, बजरंग दल के नेता नितिन महाजन ने कहा कि सरकार को सही रुख अपनाना चाहिए और औरंगजेब की कब्र को जल्द से जल्द हटा देना चाहिए, वरना हम खुद इसे हटाने के लिए मजबूर होंगे.

'औरंगजेब की कब्र शौर्य का प्रतीक, कभी टूटनी नहीं चाहिए'

■ संजय राउत के बयान पर नया संग्राम

महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र को लेकर सियासी पारा हाई है. जिसकी तपिश पूरे देश में महसूस की जा रही है. विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित कई हिंदू संगठन औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग कर रहे हैं. इसके लिए बकायदा प्रदर्शन भी हो रहा है. दूसरी ओर कांग्रेस सहित अन्य कई विपक्षी पार्टियां इसे माहौल बिगाड़ने वाली बात बता रही है. इस बीच सोमवार को शिवसेना (UBT) के नेता संजय राउत ने औरंगजेब की कब्र को शौर्य का प्रतीक बताते हुए इसे नहीं टूटने की बात कही. इसपर दूसरे नेताओं ने भी प्रतिक्रिया दी है.

सोमवार को संजय राउत ने कहा, ₹औरंगजेब की कब्र है. यह शौर्य का प्रतीक है. कभी टूटनी नहीं चाहिए. छत्रपति शिवाजी महाराज ने औरंगजेब से इतना बड़ा युद्ध किया. उनके बाद भी औरंगजेब 25 साल तक लड़ता रहा लेकिन कभी जीत नहीं सका. महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र है. यह मराठों के शौर्य का प्रतीक है.₹

संजय राउत ने आगे कहा कि औरंगजेब हो या अफजल खान की कब्र यह यह मराठों के शौर्य का स्मारक है. आने वाली पीढ़ियों को पता चलना चाहिए कि शिवाजी महाराज और मराठों ने किस तरह आक्रामक दुश्मनों से लड़ाई लड़ी, लेकिन वे मराठों पर हावी नहीं हो सके. यह इतिहास है और इसे ऐसा ही रहना चाहिए.

सड़क किनारे सो रहे व्यक्ति पर चढ़ाई JCB

मुंबई. विले पार्ले में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला, जहां सड़क किनारे सो रहे 55 वर्षीय शख्स को एक जेसीबी ने कुचल दिया। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। जुहू पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस फरार चालक की तलाश कर रही है। जुहू पुलिस के मुताबिक, नंबाकबंदी करते समय एक शख्स उनके पास आया और उसने बताया कि एक व्यक्ति खून से लथपथ सड़क किनारे पड़ा है। इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना स्थल पर मौजूद सीसीटीवी कैमरा चेक किया। सीसीटीवी फुटेज में सड़क निर्माण कार्य में लगी जेसीबी को देखा गया। चालक ने रिवर्स लेते समय सड़क किनारे सो रहे शख्स पर जेसीबी को चढ़ा दिया। इसके बाद वे मौके से फरार हो गया। पुलिस ने जेसीबी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश में शुरू कर दी है।

स्वामी अयप्पा मंदिर की वर्षगांठ में कलश यात्रा का आयोजन

भिवंडी. पद्मानगर वराला देवी मंदिर क्षेत्र स्थित श्री स्वामी अय्यप्पा मंदिर की 17वीं वर्षगांठ विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई.इस अवसर पर कलश यात्रा पालकी समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए.

स्वामी अयप्पा सेवा समिति संस्थापक अध्यक्ष शिवसेना नेता संतोष शेट्टी के नेतृत्व में शनिवार को कलश यात्रा पालखी शोभा यात्रा निकाली गयी. वार्षिकोत्सव पर मंदिर में होम, हवन एवं महाप्रसाद का आयोजन किया गया. पारंपरिक दक्षिणी वाद्ययंत्रों की ध्वनि के बीच पालकी और कलश यात्रा मंदिर परिसर से पद्मानगर, सब्जी मंडी, धामनकर नाका होते हुए बीएनएन कॉलेज होते हुए अय्यप्पा मंदिर पहुंची.

नवजीवन को-ऑपरेटिव बैंक की 9वीं शाखा का भव्य उद्घाटन

■ कल्याण के खडकपाड़ा में अब लोगों को मिलेगी बैंकिंग सुविधा

कल्याण. कल्याण के खडकपाड़ा इलाके में नवजीवन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की 9वीं शाखा का भव्य उद्घाटन सोमवार 17 मार्च को संपन्न हुआ। भाऊ परसराम झूलेलाल मंदिर के गादीसर भाऊ लीलाराम साहेब के हाथों उक्त शाखा का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर बैंक के चेयरमैन डॉ मनोहर माखीजा, वाईस चेयरमैन सुरेश हरचंदानी, सीईओ दिनेश हरचंदानी, डायरेक्टर डॉ लाल तनवानी समेत अन्य डायरेक्टर, ब्रांच मैनेजर व नवजीवन बैंक के विभिन्न ब्रांच का स्टाफ व बैंक के ग्राहक उपस्थित थे। यह शाखा कल्याण में बैंक की पहली शाखा है, जबकि उल्हासनगर में बैंक की 7 शाखाएँ पहले से ही कार्यरत हैं और ठाणे के कोपरी कॉलोनी में भी बैंक की एक ब्रांच उपलब्ध है। वर्ष 1992 में शुरू हुई नवजीवन बैंक आज उल्हासनगर की सबसे बड़ी को ऑपरेटिव बैंकों में से एक है। वहीं अब कल्याण, खडकपाड़ा में वाणी विद्यालय के पास, जीएनपी लैंडमार्क के ग्राउंड फ्लोर पर बैंक की 9वीं शाखा की शुरुआत के साथ बैंक द्वारा उल्हासनगर के साथ-साथ अन्य शहरों में भी विस्तार तेज कर दिया गया है।

ज्ञात हो कि नवजीवन बैंक उल्हासनगर के लोगों के दिलों में एक खास जगह और विश्वास रखता है। यही कारण है कि बैंक 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का टर्नओवर पार कर चुका है। बैंक के नयी ब्रांच के उद्घाटन के मौके पर सीईओ दिनेश हरचंदानी ने कहा कि बैंक में यूपीआई, नेट बैंकिंग, एटीएम जैसी सभी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिससे ग्राहकों को हर तरह की सहूलियत मिल सके। कल्याण में बैंक की ब्रांच शुरू करने के संदर्भ में उन्होंने कहा कि कल्याण में और खास कर कि खडकपाड़ा क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग उल्हासनगर से शिफ्ट होकर रहने आए हैं। ऐसे में लोगों की नवजीवन बैंक की शाखा खोलने की काफी मांग थी। उन्होंने बताया कि बैंक की भी इच्छा थी कि कल्याण में एक नई शाखा शुरू की जाए, जिससे कल्याण के ग्राहकों को उनके घर के पास ही और बेहतर सुविधाएँ मिलें। उन्होंने अंत में कहा कि अन्य बैंकों की नई शाखा खुलने पर जितने नए खाते छह महीनों में खुलते हैं, उतने खाते हम सिर्फ एक ही दिन में खोलेंगे। यह हमारे ग्राहकों के अटूट विश्वास और प्यार का प्रमाण है।

स्वानंद बाबा आश्रम में फूलों की होली

ठाणे. ठाणे पश्चिम के येऊर स्थित परमपूज्य स्वानंद बाबा आश्रम में एक भव्य और आध्यात्मिक आयोजन के तहत फूलों की होली खेली गई। इस कार्यक्रम का संयोजन प्रेम शुक्ला और प्रेम मेघवानी द्वारा किया गया था, जिसमें भक्तों ने स्वानंद बाबा की जयकारों के साथ धार्मिक भजनों का आनंद लिया।

इस आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े मान्यवरों ने भाग लिया और श्रद्धा व भक्तिभाव के साथ स्वानंद बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। भक्ति रस में डूबे इस पावन अवसर पर मुंबई भाजपा के प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह का जन्मदिन भी धूमधाम से मनाया गया। सभी मान्यवरों का स्वागत पंडित दुर्गाप्रसाद पाठक एवं शांती शुक्ला ने किया।

इस मौके इस मौके पर समाजसेवी रवि सुर्वे, आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, श्री सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, राकेश पांडे, सुरेंद्र कुमार मिश्रा, पत्रकार अभय मिश्रा, वीरेंद्र मिश्रा, आनंद मिश्रा, पुष्पराज मिश्रा, वीरेंद्र शुक्ला, विपेंद्र पाठक, शिवसागर मिश्रा, योगेश शुक्ला, एड चंद्रभूषण मिश्रा, योगेश शुक्ला, अमरनाथ तिवारी, राहुल मिश्रा उपस्थित थे।

श्री रामलीला उत्सव समिति द्वारा होली स्नेह सम्मेलन संपन्न

उल्हास विकास संवाददाता

मुंबई. श्री रामलीला उत्सव समिति, पार्क साइट, विक्रोली द्वारा आयोजित होली स्नेह सम्मेलन भव्य उत्साह और सांस्कृतिक रंगों के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान, पार्क साइट, विक्रोली में किया गया, जिसमें भोजपुरी फिल्म जगत के सुप्रसिद्ध गायक सुरेश शुक्ला और उनकी टीम ने फगुआ, बेलवइया और भोजपुरी लोक गीतों की प्रस्तुति दी। इसके अलावा, गायक लालजी यादव, विजय पाल और गायिका ज्योति सिंह द्वारा विरहा का जंगी मुकाबला भी प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में मुंबई जीएसटी कमिश्नर अखिलेश पांडेय, राजोल संजय पाटिल, मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष एवं सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, रेलवे अधिकारी अजय मिश्रा, मुंबई कांग्रेस सचिव रामगोविंद यादव, शिवसेना (उद्धव गट) घाटकोपर उप विभाग प्रमुख सुनील सयाजी मोरे, समाजसेवी अरुण मिश्र, इंडिया टूडे न्यूज हेड आशीष मिश्रा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सभी अतिथियों का स्वागत समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल द्वारा रामनामी शॉल, पुष्पगुच्छ और संकल्प पत्रिका भेंट कर किया गया। इस दौरान समिति के कोषाध्यक्ष एस. पी. सिंह, एसईओ आदेश मिश्र, रामबिलास पाठक, सर्वदेव पांडेय, राजकुमार तिवारी, बृजेश शुक्ल, अनिल सिंह, दिनेश सिंह, अरविंद शुक्ल सहित अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

श्री रामलीला उत्सव समिति विगत 58 वर्षों से धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रही है और इस वर्ष 59वें संस्करण में भी उत्सव को भव्यता प्रदान की गई।

कार्यक्रम का समापन गुलाब के फूलों से होली खेलकर किया गया, जिससे पूरे माहौल में भक्ति और प्रेम का संचार हुआ।

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा सूचित किया जा रहा है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती भानू राजेश मलकानी इन्होंने शाप नं. 3, 8.9 X 4.1/2 स्क. फुट, शाप नं. 4, 4.1/2 X 4.3/4 स्क. फुट, दोनों शॉप मायापुरी शापिंग काम्प्लेक्स, पोरशन आफ प्लाट नं. 348, सेक्शन 7ए, शीट नं. 72, यू नं. 203, ठाकुर स्टूडियो के पीछे, उल्हासनगर- 421001. इस प्रॉपर्टी के बिक्री का सौदा श्री विनोद राधोमल केसवानी के साथ मेरे मुवक्किल ने किया है।

अगर उपरोक्त प्रॉपर्टी के बारे में किसी हिस्से के लिए किसी भी व्यक्ति को मोरारसी हक, वास्ता जैसे कि बिक्री नामा, गिरवी नामा, बक्षीस नामा, वसीयत नामा व कब्जा इत्यादि अथवा किसी भी कोर्ट केस या संस्था/बैंक को देना ऐसी किसी किस्म की आपत्ति (ऐतराज) हो तो वह लेखी में पूरे सबूतों के साथ इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पत्ते पर अपनी आपत्ति सबूतों के साथ समय पर भेजे। अन्यथा दूसरी हालत में आम सूचना के समय पूरे होने के बाद उपरोक्त प्रॉपर्टी का सौदा कर पूरा कर दिया जाएगा उसके बाद कोई भी आपत्ति या दावा सुना नहीं जाएगा।

सही/-
एड. पिंकी बुधवानी
शॉप नं. 2, लासी हाल के पास, हेमराज डेयरी रोड, उल्हासनगर-421001. मो. 7057805281

आम सूचना

मैं श्री अमन सुरेंद्र चौहान सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, हनुमान म्हात्रे चाल, वडोल गांव, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 38बीओ008038700) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती शीला सुरेंद्र चौहान अल्यास चव्हाण, श्री चंदन सुरेंद्र चौहान व श्री मुकेश सुरेंद्र चौहान के नाम पर है। उनसे रिलीज डीड दि. 17.3.2025 द्वारा प्राप्त की है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अमन सुरेंद्र चौहान

आम सूचना

मैं श्री चंदन सुरेंद्र चौहान सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, वडोल गांव, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 38बीओ008038300) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती शीला सुरेंद्र चौहान अल्यास चव्हाण व श्री मुकेश सुरेंद्र चौहान के नाम पर है। उनसे रिलीज डीड दि. 17.3.2025 द्वारा प्राप्त की है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री चंदन सुरेंद्र चौहान

आम सूचना

मैं श्रीमती सुचित्रा संजय पुजारी सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, महादेव नगर, पेंसिल फैक्ट्री रोड, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 44सीओ010058200) उक्त प्रॉपर्टी श्री तानाजी देवीदास कांबले के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 30.10.2019 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुचित्रा संजय पुजारी

आम सूचना

मैं श्री सोहेल आलम मुमताज अली शाह सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, न्यू चाल, शिव कालोनी के पास, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 57डीओ013074700) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती कमला होतलदास लुंड अल्यास खेमानी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 15.4.2009 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री सोहेल आलम मुमताज अली शाह

पत्नी की हत्या कर आरोपी पति फरार

मुंबई. गोरेगांव पुलिस एक 34 वर्षीय व्यक्ति की तलाश कर रही है जो अपनी पत्नी की कथित हत्या के बाद फरार है। आरोपी रॉय शेख और उसकी 24 वर्षीय पत्नी रेखा खातून दो महीने पहले पश्चिम बंगाल से मुंबई आए थे। शेख चूड़ी बनाने वाली एक कार्यशाला में काम करता था। दंपति गोरेगांव में तिवारी चाल में रहते थे और उनके कोई बच्चे नहीं थे। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि खातून की गला घोंटकर हत्या की गई है। उसकी नाक पर भी चोट के निशान थे। गोरेगांव पुलिस ने शेख के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है।

भजन कीर्तन सुनकर श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. शहर के नया आरटीओ स्थित श्री दुर्गा माता सेवा संस्था की ओर से हर शनिवार शाम को सुंदरकांड व भजन कीर्तन का आयोजन किया जाता है।भजन गायक चंदन दूबे, सुधीर पाण्डेय (शशि), कोरस देने वाले संजय तिवारी, गणेश पटवा, दिलीप पाण्डेय,अजीत पाण्डेय, संजू सिंह,ढोल वादक शिवकुमार सिंह, जनार्दन यादव,सचिन शर्मा, मनोज मिश्रा, राकेश पाण्डेय,जगदीश तिवारी , संजय सिंह ने फगुआ गीत के तर्ज पर मंदिर प्रांगण में आए हुए सभी भक्तों को अपने मधुर स्वर में सुंदरकांड और भजन कीर्तन सुनाकर आये हुए भक्तों को मंत्र मुग्ध कर दिया इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सरला वर्मा, ऊषा यादव,सुमित्रा विट्टी वर्मा,उमा तिवारी, सुनीता दुबे, राजनरायन दुबे, योगेश यादव, विजय गुप्ता,मंगला तिवारी, घनश्याम यादव,सुशील पंडा, आदित्य तिवारी, राहुल, रवि पांडेय, दिनेश चौरसिया, अजय त्रिपाठी,बजरंगी,रविन्द्र तिवारी तथा मंदिर से जुड़े महिला भक्तों के सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष अरविन्द तिवारी ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

कंगना रनोट के लिए ऑस्कर मूर्खों का अवॉर्ड

■ इमरजेंसी को मिल रहीं तारीफों के बीच अमेरिका पर भड़कीं एक्ट्रेस

■ कहा- हमारे पास नेशनल अवॉर्ड है

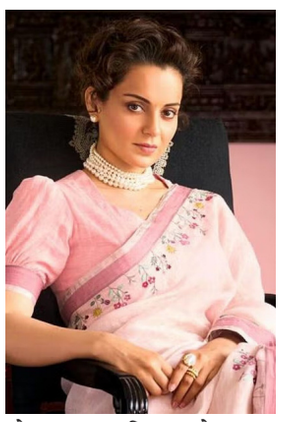

कंगना रनोट की फिल्म इमरजेंसी 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तो कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी, हालांकि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आने के बाद इसे जमकर सराहना मिल रही है। कई लोगों का कहना है कि फिल्म इतनी बेहतरीन है कि इसे ऑस्कर भेजा जाना चाहिए। इसके जवाब में कंगना ने अमेरिका पर भड़कते हुए ऑस्कर को मूर्खों का अवॉर्ड कह दिया है।

कंगना रनोट ने फिल्म इमरजेंसी को मिल रहीं तारीफों के स्क्रीनशॉट अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में पोस्ट किए हैं। एक यूजर ने लिखा था, इमरजेंसी को भारत की तरफ से ऑस्कर जाना चाहिए। क्या फिल्म है टीम कंगना।

इसके जवाब में कंगना ने लिखा है, लेकिन अमेरिका अपना असल चेहरा नहीं देखना चाहेगा कि कैसे वो विकासशील देशों को धमकाता है, दबाता है और उन पर दबाव डालता है। ये सब इमरजेंसी से सामने आ चुका है। वो मूर्खों वाला ऑस्कर अपने पास रखें। हमारे पास नेशनल अवॉर्ड है।

फिल्ममेकर संजय गुप्ता ने भी इमरजेंसी की तारीफ की। उन्होंने लिखा, आज मैंने कंगना रनोट की इमरजेंसी देखी। सच कहूं तो मेरा ऐसा करने का कोई प्लान नहीं था, क्योंकि मैंने पहले से ही इसका अनुमान लगा लिया था, मुझे बहुत खुशी है कि मैं गलत था। एक्टिंग और डायरेक्शन में कंगना रनोट की क्या बेहतरीन फिल्म है। वर्ल्ड क्लास।

इसके जवाब में कंगना ने लिखा है, फिल्म इंडस्ट्री को नफरत से आगे बढ़कर अनुमान लगाए बिना अच्छे काम को सराहना चाहिए। ये बैरियर तोड़ने के लिए शुक्रिया संजय जी। फिल्म इंडस्ट्री के लोगों के लिए मेरा मैसेज है कि मेरे बारे में कोई धारणा मत बनाइए। मुझे समझने की कोशिश भी मत करना, मैं समझ से बाहर हूं।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099